



अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि रेवाड़ी मूवि

रोहक, रविवार, 7 सितंबर 2025

आईजीयू का
तेरहवां स्थापना
दिवस आज 70
हजार विद्यार्थी
ग्रहण कर रहे...



दशलक्षण पर्व
के समापन पर
जेपीएस के
बच्चों ने...



सुबह-शाम दूध निकालने के बाद छोड़ देते हैं पशुपालक बेसहारा से ज्यादा पालतु गाय सड़कों पर पकड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाते कर्मी

शहर की गलियों में भी
बड़ी संख्या में गोवंश
घूमते हैं, कई बार गोवंश
आक्रामक होकर लोगों
को गुस्से का शिकार बना
चुके हैं

हरिभूमि न्यूज़ | रेवाड़ी

गोशालाओं में पशुओं के रखने की
जगह नहीं है। शहर की सड़कों पर
गायों की संख्या लगातार बढ़ रही है।
बेसहारा से ज्यादा पशुपालकों की
गाएं सड़कों पर विचरण करती हैं।
सुबह-शाम इन गायों का दूध
निकालने के बाद सड़कों पर घूमकर
पेट भरने के लिए छोड़ दिया जाता
है। अगर पालतु गायों को पकड़ने का
प्रयास किया जाता है, तो 'दादागिरी'
में माहिर पशुपालक कर्मियों के साथ
मारपीट करने तक पर उतारू हो
जाते हैं।

शहर में सड़कों पर विचरण
करने वाले गोवंश का मर्ज लगातार
बढ़ता जा रहा है। सैकड़ों पशुओं का
सड़कों पर पकड़ा रहता है। अब तो
शहर के रेलवे ओवरब्रिज भी इन
पशुओं के लिए आरामगाह बन गए

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

कोसली। सुधराना रेलवे फाटक के
पास शनिवार सुबह ट्रक की चपेट में
आने से एक युवक की मौत हो गई।
पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के
बाद परिजनों को सौंप दिया।

सुधराना निवासी करीब 24
वर्षीय हरीश कुमार सुबह रेलवे
फाटक क्रॉस करने के बाद एक तेज
रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया।
उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो
गई। चालक मौके से फरार हो गया।
लोगों की सूचना पर कोसली थाना
पुलिस ने मौके पर जाकर शव को
कब्जे में ले लिया। पोस्टमार्टम कराने
के बाद पुलिस ने ट्रक चालक के
खिलाफ केस दर्ज कर लिया।
पुलिस आरोपी ट्रक चालक का पता

रूम मैट ने ही थी राकेश की हत्या, गला घोटने के बाद किए थे पत्थर से कई वार

गत 3 सितंबर को मिंडा
कट के पास मिला था
शव, पहचान होने के बाद
पुलिस ने काबू किए दोनों
आरोपी

हरिभूमि न्यूज़ | रेवाड़ी

गत 3 सितंबर की सुबह मिंडा कट
बावल रोड के पास मिले युवक की
शव की शिनाख्त होने के साथ ही
पुलिस ने हत्या की गुर्रथी भी सुलझा
दी। पुलिस ने मृतक के दो रूम मैट

सीआईए ने अवैध हथियार उपलब्ध कराने के मामले में दो आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज़, रेवाड़ी

सीआईए रेवाड़ी ने अवैध हथियार
उपलब्ध कराने के दो अलग-अलग
मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार
करने में सफलता हासिल की है।

गत 18 मई को सीआईए रेवाड़ी
को सूचना मिली थी कि मोहल्ला
संधी का बास निवासी राजकुमार
उर्फ झोटा व गांव गोकलगढ़ निवासी
राहुल बाहर से हथियार लाकर अपने
साथियों को मुहैया कराते हैं। दोनों के
खिलाफ कई संगीन आपराधिक
मामले कोर्ट में लंबित हैं। राजकुमार
उर्फ झोटा करीब डेढ़ माह पहले ही
जमानत पर जेल से बाहर आया था।
दोनों बोलेरो गाड़ी में शहर से रामगढ़



रेवाड़ी। बावल रोड पर रात के समय सड़क पर गोवंश का जमावड़ा।

प्रशासन के कंट्रोल से बाहर पशुपालक

शहर के कुछ इलाकों में प्रभावशाली लोगों ने बड़ी संख्या में गाएं पाल रखी हैं।
इन गायों का दूध बेचकर मोटी कमाई भी की जा रही है, परंतु इन्हें घरों के
लिए सड़कों पर खुला ही छोड़ दिया जाता है। इन गायों को ऐसी आदत डाली हुई
है कि सुबह और शाम के समय दूध निकालने के समय यह गाएं अपने मालिक
के सूट पर पहुंच जाती हैं। दूध निकालने के बाद गायों को फिर से सड़कों की
ओर भेज दिया जाता है।

हैं। पशुओं की संख्या सर्वाधिक
नाईवाली चौक व साथ बने
फ्लाईओवर पर देखने को मिलती
है। शाम के समय गोवंश के जमावड़े
के कारण नाईवाली चौक पर वाहनों
के निकलने के लिए पर्याप्त जगह
नहीं बचती, जिससे लंबा जाम लग
जाता है। गोवंश सड़क पर बैठकर
आराम फरमाते हैं। यही हाल रेलवे
लाइनों पर बने पुलों का है। बड़ी
संख्या में पुलों पर पशु पहुंच जाते
हैं। इससे फ्लाईओवरों पर भी जाम

जैसे हालात बन जाते हैं। वाहन
चालकों को आवागमन में जहां
भारी परेशानी का सामना करना
पड़ता है, वहीं सड़क हादसों की
आशंका भी बनी रहती है। शहर की
गलियों में भी बड़ी संख्या में गोवंश
घूमते हैं। कई बार गोवंश आक्रामक
होकर लोगों को गुस्से का शिकार
बना चुके हैं। वाहन चालकों पर
सांड आक्रमण करते हुए धायल
कर चुके हैं। गोवंश के आक्रमण से
शहर के कई लोगों की जान तक जा

पुलिस तीन दिनों में 84 चालकों के किए चालान

हरिभूमि न्यूज़ | रेवाड़ी

पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा
के मार्गदर्शन में जिला पुलिस ने
शराब पीकर वाहन चलाने वालों के
खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए
विशेष अभियान चलाया हुआ है।
पुलिस की ओर से पिछले तीन दिनों
में ड्रिंक एंड ड्राइव का अभियान
चलाकर नशे का सेवन करके वाहन
चलाने वाले 84 चालकों के चालान
किए हैं।

एसपी ने सभी पुलिस अधिकारियों
व कर्मचारियों को सड़क सुरक्षा के
लिए ट्रेनिंग नियमों की पालना के

लिए दृढ़ता से कराने के निर्देश दिए
हैं। एसपी ने कहा कि अक्सर देखने में
आता है कि रात्रि के समय काफी
वाहन चालक नशे में धुत होकर
वाहन चलाते हैं, जिससे वे अपने
आप को तो खतरे में डालते ही हैं,
साथ में सड़क पर चल रहे अन्य
वाहन चालक के लिए भी खतरा बन
जाते हैं। पुलिस की ओर से ऐसे वाहन
चालकों पर शिकंजा कसा जा रहा है।
एसपी ने कहा कि पुलिस का मकसद
सड़कों पर कानून-व्यवस्था बनाए
रखना और सड़क हादसों को रोकना
है। शराब पीकर गाड़ी चलाना सड़क
दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनता है

जल्द लेंगे एक्शन

पशुपालकों के पास
बड़ी संख्या में गाएं
गौगूर हैं। उन्हें सड़कों
पर खुला छोड़ दिया
जाता है। ऐसी 250 के
आसपास गायों को
गोशालाओं में भेजा गया है। अब
जल्द ही गायों को खुला छोड़ने वाले
पशुपालकों पर सख्ती करने की तैयारी
की जा रही है।



बेसहारा गायों पर ही होता नप का एक्शन

नगर परिषद की ओर से गायों का
पकड़ने का ठेका लेने वाली
एजेंसियों के कर्मचारियों को बिना दूध
देने वाली बेसहारा गायों को पकड़ने
तक सीमित रहते हैं। जब भी
कर्मचारी किसी दुधरू गाय को
पकड़कर गोशाला भेजने का प्रयास
करते हैं, तो गाय मालिक आकर
सीधे उनके साथ मारपीट करना शुरू
कर देते हैं। पालतु और दुधरू गाय
पकड़ने की सुरत में राजनीतिक
दबाव भी अपना काम करना शुरू
कर देता है।

चुकी है। एक बार हादसे के बाद
प्रशासन की सख्ती नजर आने
लगती है, परंतु बाद में हालात वही
बन जाते हैं।

पटाखों के 15 कार्टून के साथ तीन गिरफ्तार

रेवाड़ी। दीवाली पर्व पर मोटी
कमाई के चक्कर में पटाखों का
भंडारण करने वाले लोग अभी से
सक्रिय होने शुरू हो गए हैं। पुलिस
ने भी ऐसे लोगों के खिलाफ
कार्रवाई के लिए मोर्चा संभाल
लिया है। मोहल्ला बास सिताबराय
में पुलिस ने एक मकान से 15
कार्टून पटाखे व विस्फोटक सामग्री
बराबद की है। पुलिस ने तीन
आरोपियों को इस मामले में
गिरफ्तार किया है।

सिटी पुलिस को सूचना मिली
थी कि मोहल्ला बास सिताबराय
निवासी अमित, योगेश व प्रवीण
भारी मात्रा में पटाखे लाए हैं। तीनों
ने मोहल्ले में ही एक मकान में
पटाखों का भंडारण किया हुआ है।

कमरे में रह रहा था। उसके साथ यूपी
के अख्तर सुमा कलां निवासी सन्नी
भी रहता था। उसने आरोप लगाया
कि उसके भाई राकेश ने उसे फोन
पर बताया था कि सन्नी उसके साथ
मारपीट करता है। उसके साथ यूपी
के हमजादाबाद निवासी विनोद भी
उसे कमरा खाली नहीं करने पर
जान से मारने की धमकी देता है।
उसने आरोप लगाया कि सन्नी और
विनोद ने ही उसके भाई की हत्या की
है। 2 सितंबर के बाद उसका अपने
भाई से संपर्क नहीं हो सका। थाना
मॉडल टाउन पुलिस ने उसके बयान
पर हत्या का केस दर्ज करने के बाद
जांच शुरू की थी।

डीसी ने किए कई पटवारियों के तबादले

रेवाड़ी। जिला कलेक्टर ने
प्रशासनिक कारणों व जनहित के
कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के
लिए कई कानूनगो और पटवारियों
के तबादला आदेश जारी किए हैं।
यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू
किए गए हैं। डीसी ओर से जारी
तबादला सूची के अनुसार डहीना
उप तहसील के कानूनगो कुलबीर
को मुकेश कुमार के स्थान पर
धरूहड़ा ट्रांसफर किया गया है।
मुकेश को कुलबीर के स्थान पर
डहीना भेजा गया है। हलका मूंदी व
निमोठ का अतिरिक्त चार्ज संभाल
रहे रमेश पटवारी को बाबूलाल
पटवारी के स्थान पर बच्चा का
ट्रांसफर किया गया है। बाबूलाल को
रिक्त चल रहे बुडौली के पटवारी
की जिम्मेदारी दी गई है।

AFFILIATED TO CBSE लक्ष्य एवं उपलब्धी के बीच का सेतू

TAGORE GROUP OF SCHOOLS

GET READY TO DRIBBLE DUNK DOMINATE

CBSE NATIONAL GIRLS BASKETBALL CHAMPIONSHIP-2025

FROM 9 -13 SEPTEMBER 2025

सीबीएसई राष्ट्रीय लड़कियों की बास्केटबॉल चैम्पियनशिप-2025

देश-विदेश की लड़कियाँ दिखाएंगी दम अब महेन्द्रगढ़ की धरती पर!

आप सादर आमंत्रित हैं

स्थान:
टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल
कैनाल रेस्ट हाउस के पास, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)

तारीख:
09 - 13
सितम्बर 2025

समय:
प्रतिदिन सुबह
9:00 बजे से

जब भारत और विदेशों से आई लड़कियाँ कोर्ट पर उतरेंगी,
जब हर पास, हर बास्केट और हर जीत में दिखेगा जोश और आत्मविश्वास
तब महेन्द्रगढ़ बनेगा खेल और गर्व का गवाह!

मुख्य आकर्षण

रोमांचक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले • सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ
भव्य उद्घाटन एवं समापन समारोह • पुरस्कार वितरण समारोह

प्रतियोगिता में सम्मिलित देश व राज्य

STATES OF INDIA
• ASSAM • JHARKHAND
• TAMIL NADU • TELANGANA
• MUMBAI (MH) • GUJRAT
• SIKKIM • KERALA

आपकी उपस्थिति हमारे लिए सम्माननीय होगी

आयोजक:
TAGORE GROUP OF SCHOOLS
महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)
संपर्क: 9053095341, 9813922732

खेल को बढ़ावा दीजिए, बेटियों का होंसला बढ़ाइए!

लगातार दमक रहे सोना-चांदी, आठ माह में दिया 36% व 42% तक रिटर्न

- ▶ रिटर्न देने में सभी एसेट्स को पीछे छोड़ा, निवेशक मालामाल
- ▶ सही रणनीति बनाकर निवेश किया जाए तो मिलेगा फायदा
- ▶ हाल में आई तेजी के बीच सोने में निवेश की सही प्लानिंग करें
- ▶ गोल्ड व सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने 40% से ज्यादा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की दहशत के बीच सोना-चांदी निवेश के सबसे भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोने ने इस साल अब तक 8 माह में करीब 36% तक और चांदी ने करीब 42% तक रिटर्न दिया है। यानी इन 8 महीनों में चांदी सोने से काफी आगे निकल गई है। अगर रुपये में बात करें तो चांदी 37,281 रुपये प्रति किलोग्राम महंगा हुई है। वहीं, सोना 27,976 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है। जानकारों का कहना है कि इस साल के आखिरी तक रिटर्न के मामले में चांदी सोने को बहुत पीछे छोड़ सकती है। सोने लगातार बढ़ती कीमतों के बीच लोगों को अब इसमें प्लानिंग तहत निवेश करना होगा। वरना यह झटका भी दे सकता है। हालांकि कहा जाता है कि सोना पुराने समय से ही भरोसे का निवेश रहा है। सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। बीते एक साल में गोल्ड और सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने भी 40% से ज्यादा एक्जट रिटर्न दिया



है। निवेशकों के लिए बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तेजी के बाद अब भी सोने-चांदी में निवेश करना सही रहेगा? और अगर हां, तो किस तरीके से।

सोने-चांदी की कीमतों रिकॉर्ड ऊंचाई पर

सोने-चांदी की कीमतें नई ऊंचाईयों पर चढ़ी हैं। इनका असर ईटीएफ पर भी पड़ा है। पिछले 12 महीनों में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 40.44% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 16 गोल्ड ईटीएफ मार्केट में एक्टिव रहे, जिनमें टाटा गोल्ड ईटीएफ ने सबसे ज्यादा 40.76%, आईसीआईसीआई प्रूडिशियल गोल्ड ईटीएफ ने 40.74% और आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ ने भी 40.67% का मजबूत रिटर्न दिया।

वर्षों बढ़ रही है सोने-चांदी की चमक

जानकारों के मुताबिक सोने और चांदी की कीमतों में यह उछाल जियो-पॉलिटिकल टेंशन, टैरिफ को लेकर जारी उथल-पुथल और इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से आया है। खासतौर पर सिल्वर की डिमांड सेमीकंडक्टर, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिकल व्हीकल (ईवी) और वॉन टेक्नोलॉजी में ज्यादा हो रही है। यही वजह है कि चांदी 10 साल के ऊंचे स्तर पर पहुंची है। सोना पारंपरिक रूप से एक डिफ्लेक्शन एसेट माना जाता है, जो बाजार में अनिश्चितता और डर के समय निवेशकों को सुरक्षा देता है। यही कारण है कि हर अस्थिर दौर में सोने की कीमतें ऊपर जाती हैं।

पोर्टफोलियो में कितना हो गोल्ड-सिल्वर का हिस्सा

आपके पोर्टफोलियो में सोने-चांदी की हिस्सेदारी 10-20% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बाकी निवेश इक्विटी और डेट में होना चाहिए। आमतौर पर 80:20 का इक्विटी-डेट रेशियो संतुलित माना जाता है, और सोना-सिल्वर इसमें हेजिंग यानी रिस्क से बचाने का काम करते हैं। इसका मतलब है कि गोल्ड और सिल्वर आपके लगातार ऊंचा रिटर्न नहीं देंगे, लेकिन आपके पोर्टफोलियो को अस्थिरता से बचाने और डाइवर्सिफिकेशन देने का काम करेंगे।

ईटीएफ और एसआईपी के जरिये निवेश बेहतर

सोने-चांदी की मौजूदा ऊंची कीमतों पर एकमुश्त निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। बेहतर है कि निवेशक एसआईपी (एसआईपी) के जरिये धीरे-धीरे इनमें पैसा लगाएं। इससे कीमतों के उतार-चढ़ाव की एक्जिजिंग हो जाती है और लंबी अवधि में बेहतर नतीजे मिलते हैं। ईटीएफ सोने-चांदी में निवेश का सबसे आसान और ज्यादा पारदर्शी तरीका है। गोल्ड ईटीएफ में हर यूनिट आम तौर पर 1 ग्राम सोने की वैल्यू को बताती है। इन्हें आप डिमेंट अकाउंट के जरिये शेयरों की तरह खरीद-बेच सकते हैं। सिल्वर ईटीएफ भी इसी तरह काम करते हैं।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अगर आप सोने-चांदी में निवेश करना चाहते हैं तो इसे स्पेक्युलेटिव यानी सट्टे नजरिए से नहीं बल्कि एसेट एलोकेशन के नजरिए से देखें। यह लंबे समय में आपके पोर्टफोलियो में स्टैबल और सुरक्षित बनाने है।
▶ पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर की हिस्सेदारी 10-20% तक रखें
▶ एकमुश्त निवेश की बजाय एसआईपी से धीरे-धीरे खरीदें
▶ ईटीएफ को प्रायोरिटी दें क्योंकि वे पारदर्शी, आसान और लिक्विड होते हैं



▶ अगर प्रोफेशनल मैनेजमेंट चाहिए तो मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड भी विकल्प हो सकते हैं

सावधानी से बढ़ाएं कदम

सोने-चांदी में तेजी के बावजूद निवेशकों को सावधानी से कदम बढ़ाना चाहिए। यह सही है कि हाल में ईटीएफ ने 40% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन भविष्य में इनका रोल मुख्य रूप से पोर्टफोलियो को स्टैबल रखने और जोखिम कम करने का रहेगा। सही रणनीति यही है कि इन्हें लंबी अवधि के लिए एसेट एलोकेशन का हिस्सा बनाएं, न कि शॉर्ट-टर्म मुनाफे के लिए। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 की पहली छमाही में सोने में जो तेजी देखी गई है, वह लंबी खिंच सकती है और अब नई खरीदारी से बचना चाहिए, क्योंकि कीमतें पहले से ही काफी ऊंचाई पर पहुंच गई हैं।

क्या होती है नो-कॉस्ट ईएमआई क्या सच में नहीं लगता ब्याज?

जानकारी

बिजनेस डेस्क

त्यो हारी सीजन आते ही ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्मों और बैंक 'नो-कॉस्ट ईएमआई' का खूब प्रचार करते हैं। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी से लेकर फ्रिज और वॉशिंग मशीन तक, हर जगह यह ऑफर देखने को मिल जाता है। सुनने में तो यह बहुत लुभावना लगता है कि महंगी चीज बिना ब्याज के आसान किस्तों में मिल जाएगी। इसे देखकर अक्सर ग्राहक भी ललचा जाते हैं और ज्यादा से ज्यादा सामना खरीदने का प्रयास करते हैं। ऐसे त्योहारी सीजन में खासकर होता है। लेकिन क्या नो-कॉस्ट ईएमआई सच में 'फ्री' है? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ तथ्य जिनसे पता चलेगा की नो-कॉस्ट ईएमआई कभी भी फ्री नहीं होता। इसके कुछ नुकुछ हैंडक चार्ज जरूर होते हैं, जिन्हें बहक बड़ी अंशानी से एडजस्ट करते हैं और कस्टमर को पता तक नहीं चलने देते। आइए एक्सपर्ट समझते हैं नो-कॉस्ट का पूरा खेल। जानकारों का कहना है कि नो-कॉस्ट ईएमआई का मतलब यह होता है कि जब आप कोई प्रोडक्ट किस्तों में खरीदते हैं, तो आपको अतिरिक्त ब्याज नहीं देना पड़ता। लेकिन हकीकत में 'नो कॉस्ट' ईएमआई पूरी तरह से फ्री नहीं होती, बल्कि इसमें ब्याज या चार्ज को अलग तरीके से एडजस्ट किया जाता है।

- ▶ जानिए कैसे रिटेलर और बैंक ब्याज को एडजस्ट करते हैं
- ▶ किस तरह सही ऑफर चुनकर बचत की जा सकती है
- ▶ कोई भी सामान खरीदने से पहले एक बार जरूर देख लें
- ▶ तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई' कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता



कैसे काम करती है नो-कॉस्ट ईएमआई

डिस्काउंट या सब्सिडी: अब मान लीजिए कि आपने 30,000 का स्मार्टफोन ईएमआई पर खरीदा। इसकी ईएमआई पर बैंक ब्याज लेना, क्योंकि यही तो उसका बिजनेस है। सामान्य ईएमआई पर बैंक 12% ब्याज दर से 12 महीने की ईएमआई बनाएगा। ऐसे में कुल लागत लगभग 31,800 रुपये हो जाती, लेकिन रिटेलर या ब्रांड आपको ब्याज जितना डिस्काउंट दे देता है। उसल में आप कुल 30,000 ही चुकते हैं। 1,800 के ब्याज का बोझ कंपनी उठा लेती है। कई ऑफर में ब्याज सीधे नहीं दिखाया जाता। यानी आपको लगता है नो कॉस्ट ईएमआई है, कोई ब्याज नहीं लगेगा। जैसे कि प्रोडक्ट का केश प्राइस 30,000 है। डिस्काउंट के साथ यह 27,000 में मिलता। ईएमआई पर वही प्रोडक्ट 30,000 के कुल ईएमआई में बांट दिया गया। आपको लगता है नो कॉस्ट ईएमआई है, लेकिन आप 3000 रुपये की बचत गंवा रहे।

क्या वाकई मुफ्त है नो-कॉस्ट ईएमआई: अगर तकनीकी रूप से देखें, तो नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता। अगर रिटेलर सब्सिडी दे रहा है तो उसका खर्च कंपनी वहन कर रही है, जिससे उसका मार्जिन घटता है। अगर कीमत बढ़ाकर एडजस्ट किया गया है तो ग्राहक को इनडायरेक्ट तरीके से ब्याज ही चुकना पड़ता है।
कई बार नहीं मिलते ऑफर: कई बार नो कॉस्ट ईएमआई के साथ अन्य डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध नहीं होते। यानी केशबैंक या कूपन का फायदा हाथ से जा सकता है। जैसे कई बार कंपनियां 30,000 के प्रोडक्ट का एएमआई ही 32,000 लिख देती हैं और नो कॉस्ट ईएमआई पर बेचती हैं। ग्राहक को लगता है कि ब्याज नहीं लगा, जबकि उसने पहले से बड़ी हुई कीमत चुका दी।

क्या है आरबीआई का नियम

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2013 में साफ किया था कि नो कॉस्ट ईएमआई स्कॉप्स में ब्याज शुल्क दिखाना मामूक हो सकता है। इसके बाद एनबीएफसी और बैंकों ने इन ऑफर्स को अलग तरह से डिजाइन किया। अब प्रिवेटकली ब्याज का बोझ मैनुफैक्चरर या रिटेलर उठाना है, ग्राहक को 'नो कॉस्ट' का अनुभव देने के लिए।

इन बातों पर जरूर दें ध्यान

एमआरपी और सेलिंग प्राइस चेक करें। जैसे कि क्या ईएमआई प्रोडक्ट अगली डिस्काउंट प्राइस पर मिल रहा है या बड़ी हुई कीमत पर? ऑफर्स की तुलना करें। कई बार सीधा डिस्काउंट ऑफर लेना नो कॉस्ट ईएमआई से सस्ता पड़ता है। प्रोसेसिंग फीस देखें। कुछ बैंकों में प्रोसेसिंग फीस या जीएसटी अलग से लिया जाता है। टेब्योर को जरूर समझें। जैसे कि ईएमआई कितने महीनों में देंगे और क्या पहले भुगतान करने पर कोई डिस्काउंट लगेगा? अपने बजट में भी ध्यान दें। किस्तों में पेमेंट आसान लगता है, लेकिन खर्च बढ़ाने का लालच भी दे सकता है।

सैलरी का सिर्फ 10 पर्सेंट हर महीने बचाकर भी बन सकते हैं करोड़पति

- पहले लक्ष्य तय करें, इसके बाद लंबे समय तक निवेश में डटे रहें
- 30 साल में बनाया जा सकता है 1.23 करोड़ का फंड
- छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश बना देगा धनवान

आज के समय में हर किसी का सपना होता है कि वह रिटायरमेंट तक अपने लिए एक बड़ा फंड जमा कर सके, लेकिन कई लोग सोचते हैं कि करोड़ों रुपये की बचत के लिए बहुत बड़ी सैलरी होनी चाहिए। जबकि सच यह है कि छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश की आदत किसी को भी करोड़पति बना सकती है। एक उदाहरण से आप इसे बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी अपनी सैलरी का सिर्फ 10% हर महीने बचाकर एसआईपी के जरिए 30 साल में 1.23 करोड़ रुपये का फंड जमा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कैसे एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी धीरे-धीरे करोड़ों रुपये का फंड बना सकते हैं।

ऐसे समझें निवेश का गणित

मान लीजिये आपकी उम्र अभी 22 साल है और वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। आपकी हर महीने की सैलरी 40,000 रुपये है। युवा उम्र में ही आपने तय कर लिया कि वह अपनी रिटायरमेंट की प्लानिंग अभी से शुरू करने में आपको हर महीने अपनी कमाई का सिर्फ 10% यानी 4,000 को न्यूयुअल फंड की एसआईपी में लगाना शुरू करना होगा। इसे आप किसी भी हालत में निकासने नहीं और समय के साथ अपने फंड का बढ़ाते जाएंगे। आप देखेंगे की कुछ ही समय में आपका पैसा बढ़ने लगेगा।

50 की उम्र तक करोड़पति बनोगे

अगर आप अपना लक्ष्य लेकर चलते हैं और निवेश को लगातार बढ़ाते जाएंगे तो आखिरी से 50 साल की उम्र तक करोड़पति बन सकते हैं। इसके कंपाउंडिंग का पैसा आपकी रकम को और बढ़ाता जाएगा। आपका लक्ष्य था कि जब वह 50 साल की उम्र को पार करें, तो उसके पास एक करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड हो। इस तरह आपका लक्ष्य पूरा हो सकेगा। इसके लिए आपको लगातार 30 साल तक 4,000 हर महीने एसआईपी में निवेश करना जरूरी होगा। एसआईपी के लिए 12% सालाना रिटर्न वाले इक्विटी म्यूचुअल फंड को चुनना होगा।

बचत

बिजनेस डेस्क



पूरा कैलकुलेशन

आपने 30 साल तक हर महीने 4,000 की एसआईपी की। इस तरह उसका कुल निवेश 4,000 x 12 महीने x 30 साल = 14,40,000 रुपये हुआ। इस निवेश पर उसे 12% की औसत वार्षिक रिटर्न दर मिली। कंपाउंडिंग के जादू से 30 साल बाद उसका निवेश बढ़कर 1,23,23,893 रुपये हो गया। यानी, 14.4 लाख रुपये निवेश करने पर उसे 1,08,83,893 का रिटर्न मिला। यह दिखाता है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने से छोटी रकम भी करोड़ों में बदल सकती है।

युवाओं के लिए बड़ी सीख

यह कहानी हर युवा के लिए प्रेरणादायक हो सकती है जो अपनी रकम को बढ़ाना चाहते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट या भविष्य की प्लानिंग के लिए बड़ी सैलरी या मोटा निवेश जरूरी है, लेकिन सही रणनीति, अनुशासन और जल्दी शुरुआत से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अगर आप 10 साल बाद यानी 32 साल की उम्र में निवेश शुरू करता, तो उसे 20 साल का समय मिलता। इतने समय में उसका निवेश लगभग आधा ही होता। इससे साबित होता है कि निवेश जितनी जल्दी शुरू करें, उतना बेहतर।

ये मंत्र भी अपनाएं

1. वित्तीय शिक्षा प्राप्त करें

वित्तीय शिक्षा आपको पैसे के प्रबंधन, निवेश व बचत के बारे में जानने में मदद करेगी। यह आपको वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस योजना बनाने में मदद करेगी।

2. नियमित बचत करें

नियमित बचत करना करोड़पति बनने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचाएं और इसे निवेश में लगाएं।

3. निवेश करें

निवेश करना आपके पैसे को बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, और रियल एस्टेट जैसे विभिन्न निवेश विकल्पों का पता लगाएं और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करें।

4. व्यवसाय शुरू करें

व्यवसाय शुरू करना करोड़पति बनने का एक अच्छा तरीका है। अपने आय का एक हिस्सा निवेश के अनुसार व्यवसाय शुरू करें और इसे सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

5. नेट वर्थ बढ़ाएं

नेट वर्थ बढ़ाने के लिए, अपनी आय बढ़ाने और व्यय कम करने पर ध्यान दें। अपने खर्चों का भुगतान करें और अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

6. धैर्य रखें

करोड़पति बनने में समय लगता है। धैर्य रखें और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें।

7. वित्तीय अनुशासन

वित्तीय अनुशासन करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुशासन में रहें और अपने व्यय को नियंत्रित रखें।

8. नेटवर्क बनाएं

नेटवर्क बनाना करोड़पति बनने में मदद कर सकता है। अपने उद्योग में लोगों से मिलें और अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्क का उपयोग करें।

9. जोखिम उठाएं

जोखिम उठाना करोड़पति बनने का एक हिस्सा है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें, लेकिन जोखिम को प्रबंधित करने के लिए भी तैयार रहें।

10. सीखना जारी रखें

सीखना जारी रखना करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उद्योग में नवीनतम रुझानों और तकनीकों के बारे में सीखें व अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करें।

प्लानिंग जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे निवेश की रफ्तार को भी बढ़ाएं, इससे जल्द पैसा बढ़ेगा

अनावश्यक खर्च करने से बचें, ऑफर का देखकर ललचाएं नहीं निवेश की अच्छी रणनीति बनाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें

जीवन में आगे बढ़ने के साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, स्टेप अप एसआईपी आपको अमीर बनाने में निभाएगी बड़ी भूमिका

स्टेप-अप एसआईपी क्या है?

स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को हर अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं।

आपकी बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल

जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात देने के लिए निवेश जरूरी

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में



होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक स्थान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी जरूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेजी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के जरिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लक्जरी कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी

रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हासिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ्रक देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत कहते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- ▶ मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- ▶ पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- ▶ दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- ▶ तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- ▶ धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब भर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

स्टेप-अप एसआईपी बेहतरीन तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी जिंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और जरूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे। तो, क्या आप निवेश का सही कदम उठाने के लिए तैयार हैं?

ऐसे तैयार करें निवेश की रणनीति

विविधीकरण: विविधीकरण एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को विभिन्न परिस्थितियों में फैलाने हैं, जैसे कि शेयर, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और अन्य। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बढ़ सकता है।
लंबी अवधि का निवेश: लंबी अवधि का निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को लंबी अवधि के लिए रखते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।
नियमित निवेश: नियमित निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप नियमित रूप से एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।
जोखिम प्रबंधन: जोखिम प्रबंधन एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को जोखिम को प्रबंधित करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।
वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश: वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करते हैं। इससे आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।
निवेश की लागत को कम करना: निवेश की लागत को कम करना एक महत्वपूर्ण रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश की लागत को कम करते हैं। इससे आपको अपने रिटर्न को बढ़ाने में मदद मिलती है।
नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना: नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और आवश्यकतानुसार बदलाव करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

खबर संक्षेप

संजय कुमार को नियुक्त किया गया था प्रभारी
बहल। बहल पुलिस थाना प्रभारी जयभगवान का शनिवार को तबादला हो गया। उनकी जगह पर निरीक्षक संजय कुमार को नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। शनिवार को ही नए थाना प्रभारी ने अपना कार्यभार संभाल लिया है। जयभगवान को बहल से एसपी ऑफिस भिवानी भेजा गया है जबकि जुड़े थाना प्रभारी संजय को बहल के नए थाना प्रभारी का कार्यभार दिया गया है। नए प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि उनकी प्राथमिकता रहेगी कि क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाकर कानून व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।

एक दिवसीय लाइफ स्किल प्रशिक्षण संपन्न
तोशाम। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तोशाम में एक दिवसीय लाइफ स्किल (एडवॉंस) प्रशिक्षण संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के रिसॉर्सर्सन अनिल कुमार अरोड़ा, प्रवक्ता भौतिकी, ने विद्यालय में कार्यरत सभी स्टाफ सदस्यों को नयी शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के कौशल को चिन्हित करके उसके कौशल को और धारादार बनाने के टिप्स दिए। इस दौरान उन्होंने बताया कि कौशल परक शिक्षा से राष्ट्र की उन्नति के मार्ग भी खुलते हैं।

पौधरोपण कर मनाया स्थापना दिवस

भिवानी। अधिवक्ता परिषद की भिवानी इकाई ने शनिवार को जिला बार एसोसिएशन प्रांगण में पौधरोपण कर अपना स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम जिलाध्यक्ष सुमित जांगड़ा की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें जिला बार एसोसिएशन के प्रधान संदीप तंवर व सचिव विनोद मुंडालिया ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर जिला महामंत्री अमित बंसल ने बताया कि कार्यक्रम अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के निर्देशों के अनुसार आयोजित किया।

आज दिखेगा साल का आखिरी चंद्र ग्रहण

भिवानी। हरियाणा ज्ञान-विज्ञान समिति के जिला अध्यक्ष जयेश सिंह और सचिव नंदकिशोर सोलंकी ने बताया है कि 7 सितंबर को साल का आखिरी चंद्र ग्रहण लगने वाला है। यह एक अद्भुत और महत्वपूर्ण खगोलीय घटना होगी, जिसे भारत समेत पूरी दुनिया देख सकेगी। उन्होंने बताया कि यह चंद्र ग्रहण 7 सितंबर की रात 8 बजकर 58 मिनट से बजे शुरू होगा तथा 8 सितंबर की सुबह 2 बजकर 25 मिनट तक चलेगा। इसकी कुल अवधि 5 घंटे 27 मिनट होगी। इस दौरान चंद्रमा गहरे लाल रंग का दिखाई देगा, जिसे ब्लड मून या कॉपर मून भी कहा जाता है।

बीके विद्यालय में मनाया गया शिक्षक दिवस

भवानीखेड़ा। बीके के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 'शिक्षक दिवस' बड़े ही हार्दिकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सर्वपल्ली राधाकृष्णण की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पण करके उनके प्रति श्रद्धांजलि व्यक्त की गई। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए हर दिन शिक्षक दिवस होता है। उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णण भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद, महान दार्शनिक और आस्थावान हिंदू विचारक थे। उनका जन्म 5 सितंबर 1888 में तमिलनाडु में हुआ।

श्रद्धालुओं और राहगीरों को पिलाया सरबत

चरखी दादरी। सरदार झाड़ूसिंह चौक स्थित माकेट के दुकानदारों ने मीठे जल की छबील लगाई। प्रधान डॉ. सुदेश वर्मा की अगुवाई में सभी ने चौक से गुजरने वाली भगवान श्रीगणेश विस्मय यात्राओं में शामिल श्रद्धालुओं व राहगीरों को मीठा जल व सरबत पिलाया। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि नियमित अंतराल पर नगर व आसपास में होने वाले धार्मिक आयोजनों में योगदान दें।

नेहरू पार्क में जमा गंदे पानी में पेड़-पौधे हो रहे खराब अपनी बहाली की दास्तां बयां कर रहा शहर का नेहरू पार्क

राकेश मट्टी **भिवानी**
पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल ने करोड़ों रुपये खर्च करके शहरवासियों को पहले पार्क रूप में नेहरू पार्क की सौगात दी थी। उन्होंने गहरी जोहड़ी में मिट्टी भरवाकर उसपर नेहरू पार्क तैयार करवाया, जो शहरवासियों के सैर स्पॉट एवं स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी था, जिससे शहर के सौंदर्यीकरण को भी चार चांद लगे थे। अब बरसाती पानी की निकासी नहीं होने और ठप सीवरेज व्यवस्था ने पार्क की दशा को ही बदलकर रख दिया है, अब पार्क अपनी बहाली की दास्तां बयां कर रहा है, जिसमें दो से ढाई फुट तक पानी जमा है।



भिवानी। नेहरू पार्क में पगंडी पर जमा सीवरेज व बरसात के गंदे पानी में से निकलते बच्चे व पार्क में जमा सीवरेज व बरसाती पानी में डूबे बैठने के बच्चों।



भिवानी। जमा सीवरेज व बरसाती पानी में डूबे डस्टबिन व पेड़-पौधे।

सुंदर फव्वारे मन को करते थे आनंदित

नेहरू पार्क में सैर स्पॉट के लिए आए लोगों के मन को पार्क में जलती रंग बिरंगी लाइट व फव्वारे आनंदित करते थे, लेकिन काफी समय से फव्वारे नहीं चलने से शहरवासी काफी उदास थे और अब बरसाती व सीवरेज के गंदे पानी ने पार्क को व्यथा ही बदल दी। जहां पर घूमने आना दुर्गंध का महाौल और अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

पार्क में मच्छर-मक्खियों का प्रकोप
पार्क में गंदा पानी जमा होने से मच्छरों-मक्खियों का प्रकोप फैल गया है। वैसे ही बरसाती मौसम में डेगू मलेरिया बीमारी अपने पैर पसार लेती है और मच्छरों की भरमार हो जाती है। अब लोग पार्क में घूमने आने से डरने लगे हैं। शहरवासियों अब डर सताने लगा है कि कहीं कोई जहरीला मच्छर अपने डंक से उन्हें संक्रमित न कर दे, जिससे उन्हें मलेरिया व डेगू हो जाए, जो उनकी जान जोखिम में डाल दे।

तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल ने भिवानी शहर के लोगों को बड़ी सौगात देने एवं उनके स्वास्थ्य की चिंता करते हुए जोहड़ी को आटने का काम करवाया और उसकी जगह बहुत ही सुंदर नेहरू पार्क का निर्माण करवाया। नेहरू पार्क भिवानी शहर की शान रहा, क्योंकि ये भिवानी का सबसे पहला पार्क था। अब प्रशासन की अनदेखी एवं लापरवाही के चलते पार्क में दो से ढाई फुट तक बरसाती व सीवर का गंदा पानी जमा है, जिसकारण पेड़-पौधे व फूल-बगीची सब कुछ खराब हो रहा है।

भिवानी। जमा सीवरेज व बरसाती पानी में डूबे डस्टबिन व पेड़-पौधे।

घास जलकर हुई खराब

एक जगह पर क्षमता से अधिक पानी जमा होने से परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। पार्क में ज्यादा समय तक बरसाती व सीवरेज का गंदा पानी जमा होने से घास जलकर खराब हो गई है। पहले पार्क में हर तरफ हरियाली नजर आती थी, लेकिन अब पार्क में गंदा पानी ही पानी नजर आता है, जो पेड़-पौधों, फूल व घास को जलाकर खराब कर रहा है।

कुड़ेदान व बैच हो रहे जर्जर

पानी जमा होने से धंसी पार्क में सैर करने के लिए आने वाले लोगों के पगंडी एवं टूटी टाइलें। खाने-पीने के सामान के रेपर व कूड़ा डालने के लिए जगह-जगह लोहे के कूड़ेदान रखे हैं, जो दो से ढाई फुट पानी में डूबकर जर्जर हो रहे हैं और टूट रहे हैं। पार्क में लोगों के बैठने के लिए बैच लगाए गए हैं, लेकिन ये भी पानी में डूबे हुए हैं।

साइबर अपराधों से बचने के लिए सावधानी और जागरूकता बहुत जरूरी : अंकित

महिला महाविद्यालय झोझुक्ला में विस्तार व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज **चरखी दादरी**

महिला महाविद्यालय झोझुक्ला में साइबर क्राइम विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया, जिसमें मुख्य वक्ता की भूमिका सहायक उच निरीक्षक अंकित कुमार ने निभाई। उन्होंने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि हम किस प्रकार साइबर अपराधों को कम करने में अपना सहयोग दे सकते हैं तथा अपनी सुरक्षा कर सकते हैं। साइबर अपराध में दोषी पाए जाने पर कैसे खुद का बचाव कर



अनजाने में साइबर अपराधों में फंस रहे हैं, इनसे सुरक्षित रहने के लिए सावधानी एवं जागरूकता बहुत जरूरी है, जिससे हम और दूसरे को भी सुरक्षित रख सकते हैं। इस अवसर पर डॉ. मुन्नी चौधरी, डॉ. मन्जीत कुमारी, डॉ. सुमित्रा कुमारी तथा छात्राएं उपस्थित रही।

विद्यार्थियों ने निकाली जागरूकता रैली

लोहारू। पीएमश्री राजकीय कन्या वमा विद्यालय विद्यार्थियों ने स्वच्छता पखवाड़े के तहत जन चेतना रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। वहीं विद्यार्थियों ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट स्पर्धा में भाग लेकर अनेक सुंदर सजावटी सामान बनाए। प्राचार्य दर्शना कुमारी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। स्वच्छता पखवाड़ा ईंचार्ज प्रतिभा ने प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से सजावटी सामान बनाया। कार्यक्रम का लक्ष्य खराब, बेकार वस्तुओं से सुंदर-सुंदर सजावटी चीज बनाकर घर व स्कूल को सजाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करना है। चार्ट मैकिंग प्रतियोगिता से नो प्लास्टिक का संदेश दिया।

हरिभूमि न्यूज **भिवानी**

हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के उपप्रधान पद पर गांव लोहारी जाट निवासी विरेंद्र सिंह निर्विरोध चुने गए हैं। उनके निर्विरोध की घोषणा सभा की तरफ से गठित चुनावी कमेटी की तरफ से की गई। उसके बाद यहां भिवानी में स्वागत किया गया। बाद में नवनियुक्त उपाध्यक्ष अपने पैतृक गांव लोहारी जाट पहुंचे तो उनका गांव के लोगों ने फूलों की माला पहना कर सम्मानित किया। इस दौरान लोगों ने विरेंद्र सिंह के उपाध्यक्ष बनने की खुशी में एक दूसरे का मुंह भी मीठा करवाया। इससे पूर्व नवनियुक्त उपाध्यक्ष विरेंद्र सिंह ने बाबा जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर माथा टेका और विश्व शांति की कामना की।

तंवर बने राजपूत सभा के उपप्रधान



भिवानी। नवनियुक्त उपप्रधान को पगड़ी बांधकर सम्मानित करते हुए।

ब्रजपाल सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने

इनके अलावा गांव बौद निवासी ब्रजपाल सिंह परमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कंवर सिंह खरक को महामंत्री तथा प्रेम सिंह तंवर को कोषाध्यक्ष चुना गया है। इन सभी पदों के लिए एक एक नामांकन आया था। निश्चित तिथि के बाद इनके निर्वाचित घोषित कर दिया गया। अब केवल अध्यक्ष पद के लिए ही चुनाव का आयोजन होगा। इस मौके पर परमाल, सुनील, प्रदीप, मनोज, कंवरपाल, करतार मास्टर, प्रदीप ठेकेदार, सते ठेकेदार, ठेकेदार प्रदीप, रमेश नम्बरदार, हरकेश, सरपंच मुकेश, बबलू सरपंच, सुनेख, सतबीर डिपो होल्डर, नेपाल सिंह शिक्षा बोर्ड, विनोद वर्काल, तेजा सरपंच, मीनू, सोनू व मनोज आदि मौजूद थे।

अलखपुरा की बेटियों ने यूपी की ओर से खेलते हुए जीता गोल्ड

भवानीखेड़ा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के बैनर तले खेली गई सब जूनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप छत्तीसगढ़ के नारायण पुर में आयोजित हुई, जिसमें उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए मिनी बाजील कहे जाने वाले खंड भवानी खेड़ा के गांव अलखपुरा (सेठ छज्जूराम) की छः बेटियों ने गरिमा जाखड़, रीतिका जाखड़, कनिका जाखड़, वर्षा मीठारवाल, कीर्ति राय, नेहा यादव ने राष्ट्रीय सब जूनियर फुटबॉल प्रतियोगिता में अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले मैच में अंडमान निकोबार को 16-0 से, दूसरे मैच में पाँडिचेरी से 10-0 से विजय हासिल करते हुए, सेमीफाइनल मैच में तेलंगाना टीम को 4-1 से जीतकर, फाइनल मैच केरल को 2-1 से पराजित किया, टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए गरिमा जाखड़ को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। गांव में पहुंचने पर सभी खिलाड़ी बेटियों का वाग्व्यवस्थापियों व उपस्थित खेल प्रेमियों द्वारा विलगी जूतूस निकालकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अलखपुरा तालब के प्रधान सुरेश जाखड़, राजदीप सरपंच, सोमदत्त, राजेश हवलदार बडसरा, मनदीप जाखड़, प्रकाश मास्टर, मनीष लाम्बा, बनीता, कोच सोनिका बिजारनीया, गोरधन पीटीआई सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं खिलाड़ी, महिला उपस्थित रहे।



राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में 11 सप्ताह के लिए चल रहे स्वच्छता अभियान की श्रृंखला के अंतर्गत दूसरे सप्ताह में स्वच्छ भारत अभियान की गतिविधियां सुनिश्चित की गईं। महाविद्यालय के प्रोफेसर भीष्म नारायण, डॉ. नवनीत सिंह तथा एनसीसी एएनओ डॉ. सविता, प्रोफेसर अजीत कुमार, प्रोफेसर अमित कुमार सहित अन्य शिक्षक भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

महाविद्यालय में सफाई की



भिवानी। महाविद्यालय में साफ सफाई करते शिक्षक व एनसीसी कैडेट्स।

स्वच्छता अभियान की श्रृंखला का दूसरा सप्ताह

हरिभूमि न्यूज **भिवानी**
कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर त्रिलोकचंद ने की। उन्होंने स्वच्छता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है और इसे जीवन का अंग बनाना आवश्यक है। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने पूरे उत्साह और जिम्मेदारी के साथ भाग लिया। एनसीसी की वरिष्ठ कैडेट्स एसयूओ प्रिया, यूओ अंजु एवं यूओ विधि ने नेतृत्व किया।

विद्यार्थियों ने शिक्षकों को ग्रीटिंग कार्ड-पैन किए भेंट

हरिभूमि न्यूज **लोहारू**

लोहारू शहर सहित उपमंडल के निजी व सरकारी विद्यालयों में शिक्षक दिवस पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने शिक्षकों को हाथ से बनाया ग्रीटिंग कार्ड भेंट किया तो किसी ने पैट भेंटकर शिक्षकों का आशीर्वाद लिया। बच्चों का प्यार देखकर दिनभर विद्यालयों में स्टाफ सदस्यों के चहरो पर मुस्कान दिखाई दी तथा कई विद्यालयों में विद्यार्थियों



लोहारू। राजकीय विद्यालय में विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते एसडीएम मनोज दलाल व बीईओ विजय प्रभा। को चॉकलेट भी बांटी। एसडीएम मनोज दलाल ने पीएमश्री विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत कर अपने अध्यापन समय के अनुभव सांझा किए और कहा कि अध्यापक का पद सबसे जिम्मेदार पद होता है।

ट्रांसपोर्ट नगर न होने की वजह से बड़े वाहनों को देर सवेर ही शहर में प्रवेश मिलता है

डेढ़ सौ एकड़ में स्थापित करवाया जाएगा ट्रांसपोर्ट नगर: विधायक

हरिभूमि न्यूज **भिवानी**
विधायक घनश्याम सराफ ने कहा कि भिवानी में दूर दराज तक सामान ढोने व देश के अंतिम छोर तक सामान लाने वाले वाहनों के लिए भिवानी कोई अलगाव से जगह नहीं है। जिस वजह से शहर में भी भीड़ भड़काता होता रहता है।

करवाई जाएगी। वे शनिवार को अंतरराष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित ट्रांसपोर्ट दिवस पर कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व एसोसिएशन ने भिवानी में ट्रांसपोर्ट नगर बसाने, डीजल पर जीएसटी कम करने की मांग रखी। विधायक घनश्याम सराफ ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर स्थापित करने में देरी हुई है। उससे वाहन चालकों के लिए परेशानी जरूर बढ़ी है। उनको शहर में आने में परेशानी तो होती है। उन्होंने भरोसा

पहले वाली जगह से शुरू होगा ओवरब्रीज
विगत में शहर के व्यापारियों ने उनसे शिकायत की थी कि जो लोहारू रोड पर पुल बनने जा रहा है। उसकी लम्बाई बढ़ाई जा रही है। जिससे अनाजमंडी का मुख्य गेट पर आठ से दस दुकानों से पुल आगे निकल रहा है। इस पर उन्होंने सांसद धर्मवीर सिंह से इस मामले पर बात की तो उन्होंने तत्काल रेलवे अधिकारियों से बात करके शहर की लोगों की समस्या बताई। रेलवे अधिकारियों ने भी तत्काल पुरानी जगह से पुल शुरू करने की बात सहमत हो गए। अब पहले जहां से रेलवे ओवरब्रीज शुरू था। उसी जगह से अब शुरू करवाया जाएगा। जिससे लोगों को फायदा होगा। इस दौरान शहर के अनेक ट्रांसपोर्ट मौजूद रहे।

पूर्वमंत्री दलाल व विधायक ने गोशालाओं में चारे के लिए दिए सवा करोड़ रुपये के चेक

लोहारू। पूर्वमंत्री जेपी दलाल और महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव ने शुक्रवार को लोहारू हलक की विभिन्न गोशालाओं का दौरा किया और सरकार द्वारा गौ संवर्धन एवं संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत गोशाला कमेटी की करीब सवा करोड़ रुपये की राशि के चेक प्रदान किए। पूर्वमंत्री दलाल व विधायक यादव ने लोहारू की गोशाला के लिए 24 लाख 45 हजार, पहाड़ी गोशाला के लिए 4.47 लाख, मंडोलीकलां गोशाला के लिए 8.23 लाख, बहल गोशाला के लिए 12.97 लाख, सिवानी के लिए 29.23 तथा बड़वा के लिए 14.63, गुरुरा,

गैंडावास, खेड़ा, किकराल व नलोई की गोशालाओं के लिए भी लाखों रुपये के चेक संबंधित पदाधिकारियों को सौंपे। पूर्वमंत्री दलाल और विधायक यादव ने कहा कि भाजपा सरकार गौभक्त सरकार है।

सुचना
मैं, सज्जन सिंह पुत्र श्री रामकिशन निवासी गांव नटेड़ा तह कोसली जिला रेवाड़ी ब्यान करता हूँ कि 29-09-2010 को जन्मी तथा केंद्रीय विद्यालय भाकली (रेवाड़ी) में पढ़ रही मेरी बेटी के स्कूल रिकार्ड में उसका नाम VARSHA पुत्री Sajan Yadav व माता का नाम Pushpa Kumari दर्ज है जबकि मेरी बेटी का सही नाम VARSHA YADAV, पिता का सही नाम SAJJAN SINGH व माता का सही नाम PUSHPA DEVI है जो कि बेटी के नये जन्म प्रमाणपत्र में भी दर्ज है।

खबर संक्षेप

मसीती में कन्या जन्म

पर कुआं पूजन किया

रेवाड़ी। समाज में जहां अक्सर बेटियों के जन्म पर खामोशी छा जाती है, वहीं जिले के गांव मसीती से खुशियां और उम्मीद की एक मिसाल सामने आई है। उमेश कुमार और खुशबू के घर जन्मी कन्या तो माधवी के आगमन पर परिवार ने परंपरागत तरीके से कुआं पूजन कर पूरे गांव को दावत दी। नवजात की दादी मुकेश कुमारी और दादा सुरेशचंद्र ने कहा कि आज बेटा-बेटी में कोई फर्क नहीं है। बेटियों भी माता-पिता और गांव का नाम रोशन करने की ताकत रखती हैं।

श्रीमद् भागवत कथा

ज्ञान यज्ञ सोमवार से

धारुहेड़ा। धारुहेड़ा के नंदरामपुर बांस रोड स्थित विशाल कॉलोनी में आगामी 8 सितंबर से 14 सितंबर तक श्री मद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन होने जा रहा है। कॉलोनी के आयोजकों ने बताया कि कथा का आयोजन पितृपक्ष के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वृंदावन धाम से कथा वाचक श्रीमद् भागवत कथा को वाचन करेंगे। कथा का समय शाम 3 बजे से शाम 7 बजे रहेगा। कथा समापन पर 15 सितंबर को हवन के साथ भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

कपास खेती में अनुदान के लिए 30 तक आवेदन

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार की ओर से कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के माध्यम से कपास की खेती के लिए सूक्ष्म पोषक तत्वों एवं एकीकृत कीट प्रबंधन पर अनुदान के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि विभाग की ओर से किसानों को कपास की खेती के लिए सूक्ष्म पोषक तत्व एवं एकीकृत कीट प्रबंधन पर अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसके लिए इच्छुक किसान एग्रीहरिणा.जीओवी.इन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य कपास की फसल में पोषक तत्वों की कमी को दूर कर उत्पादन एवं गुणवत्ता में सुधार करना है।

ग्रामीणों को पढ़ाया भाईचारे का पाठ

डीएसपी कोसली विधानं ने ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत गांव शादीपुर व गुडियानी का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

डीएसपी कोसली विधानं ने शनिवार को ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत गांव शादीपुर व गुडियानी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गांव की पंचायत व ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांव की सुरक्षा व पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में जाना और त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। डीएसपी ने कहा कि पुलिस का प्रयास है कि पुलिस व आमजन में दूरी न रहकर आपसी समन्वय रहे। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय

पितरों का आशीर्वाद बना रहे तो जीवन में सुख-समृद्धि भी बनी रहती : शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

सनातन धर्म में पितरों को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। माना जाता है कि व्यक्ति पर पितरों का आशीर्वाद बना रहे तो उसके जीवन में सुख-समृद्धि भी बनी रहती है, लेकिन अगर पितृ नाराज हो जाएं तो इससे जीवन की समस्याएं बढ़ भी सकती हैं। मान्यता है कि इस दौरान पितृ यानी पूर्वज धरती पर आते हैं और अपने वंशजों का आशीर्वाद देते हैं। यह भी माना जाता है कि व्यक्ति की कुंडली में पितृ दोष लगने पर उसे तरह-तरह की पीड़ा झेलनी पड़ती है। पितृ दोष पितरों के नाराज होने पर लगता है। इसके अलावा भी पितृ दोष लगने के कई कारण हो सकते हैं। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री का कहना है कि पितरों की नाराजगी दूर करने के लिए

पितृपक्ष रविवार से शुरू होकर 21 सितंबर तक, इन दिनों में जरूरतमंदों और ब्राह्मणों को भोजन कराना विशेष पुण्यकारी



■ पितृपक्ष में केवल पितरों को तर्पण और दान करना ही शुभ माना जाता है

शास्त्रों में कुछ नियमों का उल्लेख किया गया है, जिनका पालन करना बेहद जरूरी माना गया है। विशेष रूप से इस दौरान कुछ वस्तुएं खरीदना अशुभ फल देने पर लगता है। इसके अलावा भी पितृ दोष लगने के कई कारण हो सकते हैं। ज्योतिषाचार्य अजय शास्त्री का कहना है कि पितरों की नाराजगी दूर करने के लिए

फल देने वाला हो सकता है। इस बार पितृपक्ष 7 सितंबर से शुरू होकर 21 सितंबर को समाप्त होगा। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों को तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान अर्पित करते हैं।

पितृपक्ष में नमक का दान करना शुभ

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि पितृपक्ष में नमक का दान करना शुभ माना जाता है, लेकिन इस समय नमक खरीदना वर्जित है। मान्यता है कि पितृपक्ष में नमक खरीदने से घर में बीमारियां और कलह का वातावरण पैदा हो सकता है। इसलिए पितृपक्ष शुरू होने से पहले ही नमक खरीद लेना चाहिए।

नई वस्तुएं खरीदने से रुझाव होते पितृ

उजका कहना है कि पितृपक्ष में किसी भी प्रकार की नई वस्तु जैसे-नाप कपड़े, आभूषण, वाहन, और जमीन-घर खरीदना वर्जित है। इन चीजों की खरीदारी से पितृ रुझाव हो सकते हैं।

नया बिजनेस शुरू करना अशुभ

अजय शास्त्री का कहना है कि पितृपक्ष

सरसों का तेल खरीदना निषेध

ज्योतिषाचार्य ने कहा कि पितृपक्ष में सरसों का तेल खरीदना भी निषेध माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में सरसों का तेल खरीदने से पितरों के साथ-साथ शनि देव भी अप्रसन्न हो जाते हैं। इससे घर-परिवार पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

नया बिजनेस शुरू करना, बहीखाता

खोलना या किसी नई डील को फाइनल करना अशुभ माना गया है। यदि ऐसा करना जरूरी हो तो पितृपक्ष शुरू होने से पहले या उसके समाप्त होने के बाद ही करें। इसके अलावा अगर आप नए घर का निर्माण करा रहे हैं, तो पितृपक्ष के दौरान छत की ढलाई या किसी बड़े

झाड़ू खरीदने से दरिद्रता का वास

अजय शास्त्री का कहना है कि पितृपक्ष में झाड़ू खरीदना आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर डाल सकता है। कहा जाता है कि पितृपक्ष में झाड़ू खरीदने से धन की हानि हो सकती है और घर में दरिद्रता का वास हो सकता है।

निर्माण कार्य से बचना चाहिए। ऐसा करने

से पितृ दोष लग सकता है। **विवाह या शुभ कार्य से बचें**
ज्योतिषाचार्य का कहना है कि पितृपक्ष में किसी भी तरह का शुभ कार्य वर्जित माना गया है। विवाह तय करना, लड़का-लड़की देखना या रिश्ते की बात चर्चा करना इस समय शुभ फलदायी नहीं होता।

लोहे और नुकीली वस्तुएं भी न खरीदें

ज्योतिषाचार्य का कहना है कि लोहे की वस्तुएं या किसी भी प्रकार की नुकीली चीज पितृपक्ष में नहीं खरीदनी चाहिए। इसे अशुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे पितृ नाराज हो सकते हैं और घर पर नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव पड़ सकता है।

विश्वविद्यालय युजी एवं पीजी कोर्सों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर चुका है, शिक्षा की गुणवत्ता पर है विशेष जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर 7 सितंबर को अपनी स्थापना के 12 वर्ष पूर्ण करने के उपरांत 13वां स्थापना वर्ष मनाने जा रहा है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने दक्षिणी हरियाणा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं कौशल विकास, संस्कार परक शिक्षा एवं उद्यमिता को बढ़ावा देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प दोहराया।

उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय प्रांगण में हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विवि के सभी शिक्षक, गैर-शिक्षण स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी अपनी आहुति डालेंगे और इस विश्वविद्यालय को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाने का संकल्प लेंगे। उन्होंने कहा कि दक्षिणी हरियाणा के विश्वविद्यालय से यहां के निवासियों को हमेशा ही बहुत सी अपेक्षाएं रही हैं, क्योंकि 25 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यह संस्थान रीजनल सेंटर से विश्वविद्यालय का दर्जा पा सका। कभी महज 4 कोर्सों के साथ शुरू हुआ यह संस्थान आज 14 संकायों और 26 विभागों से युक्त है, जिसमें 38 कोर्स चलाए जा रहे हैं। रेवाड़ी एवं महेंद्रगढ़ जिले के 132 संबद्ध

आईजीयू का तेरहवां स्थापना दिवस आज 70 हजार विद्यार्थी ग्रहण कर रहे शिक्षा

वीसी असीम मिगलानी बोले रोजगारोन्मुखी शिक्षा, व्यक्तित्व एवं कौशल विकास के साथ उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए आईजीयू कृत संकल्प



रेवाड़ी। मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय।

फोटो: हरिभूमि

महाविद्यालय के लगभग 70000 छात्र आईजीयू के अंतर्गत शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विवि के विभिन्न शिक्षण विभागों में भी लगभग 3000 छात्र अपने भविष्य को संवारने की उम्मीद लेकर हमारे यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वीसी ने कहा कि परीक्षा

सुधारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, अच्छी गवर्नेंस एवं अधोसंरचना के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय युजी एवं पीजी कोर्सों में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति संवारने की उम्मीद लेकर हमारे यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वीसी ने कहा कि परीक्षा

पीएचडी कोर्स में प्रवेश की दी मंजूरी



नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

कुलपति ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुई विश्वविद्यालय की अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आगामी सत्र से विश्वविद्यालय के सोशल वर्क, योग विभाग, विधि विभाग, हिंदी, प्राणी विज्ञान, होटल मैनेजमेंट एवं मनोविज्ञान विभाग में पीएचडी के कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, जिसका सीधा लाभ इस क्षेत्र को मिलेगा। पीएचडी कोर्सों में प्रवेश एवं रजिस्ट्रेशन से संबंधित ऑर्डरों को भी मंजूरी दे दी गई है। विवि से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में नए कोर्स एवं प्रोग्राम शुरू करने से संबंधित आवेदनों में से अधिकांश को मंजूरी दे दी गई है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा पाठ्यक्रमों में किए गए संशोधन को भी अकेडमिक काउंसिल की मीटिंग में अनुमोदित कर दिया गया है।

हो चुका है, जिसमें लगभग 350 छात्राएं रह सकती हैं। छात्रों के लिए नए हॉस्टल का निर्माण कार्य भी शीघ्र ही आरंभ किया जाएगा। विश्वविद्यालय का नया विज्ञान भवन लगभग बनकर तैयार हो चुका है, जिसमें इसी सत्र से कक्षाएं आरंभ करने की उम्मीद की जा सकती है। विश्वविद्यालय में आउटडोर और इंडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य, शिक्षकों के आवासीय परिसर एवं अटल

शहर को सुंदर बनाने की मुहिम तेज

स्वच्छता अभियान में बढ़ रही लोगों की भागीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

शहरी स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को नगर पार्श्व व स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी से सफाई अभियान चलाया गया। लोगों ने शपथ लेकर अपने आसपास सफाई रखने का संकल्प लिया। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि स्वच्छता को स्वभाव में शामिल करना बेहद जरूरी है। शहर में सभी मिलकर स्वच्छ पर्यावरण बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिला नगर आयुक्त ब्रह्मप्रकाश ने बताया कि अभियान के तहत रेवाड़ी, बावल व धारुहेड़ा शहरी क्षेत्र को स्वच्छ



रेवाड़ी। कालाका रोड पर सफाई करते सफाईकर्मी।

आदत बनाते हुए सफाई कार्य करें कर्मचारी : डीएसपी

डीएसपी ने कहा कि यह एक निरंतर कार्यक्रम है, सफाई कर्मी इसे अपनी आदत बनाते हुए नियमित सफाई कार्य करें। उन्होंने कहा कि नियमित सफाई के अभाव में नालियों में गंदगी बढ़ जाती है। इसका सीधा प्रभाव सभी निकासियों पर पड़ता है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों को सभी वाडों में नियमित रूप से गलियों एवं नालियों की सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों के नियुक्त नोडल अधिकारी अपने-अपने वाडों में निगरानी कर रहे हैं।

बनाने की दिशा में नगर परिषद के आसपास नियमित रूप से सफाई अधिकारी लोगों को घरों के रखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।



आरडीएस गर्ल्स कॉलेज में एनईपी-2020 पर कार्यशाला का आयोजन, शिक्षकों ने साझा किए अनुभव

रेवाड़ी। कालाका रोड स्थित आरडीएस पब्लिक गर्ल्स कॉलेज में शनिवार को प्राचार्य डा. देलबीर सिंह यादव की अध्यक्षता में कॉलेज की एनईपी कोर्सेट की ओर से अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 पर आधारित था। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डा. तेज सिंह प्रोफेसर वाणिज्य विभाग आईजीयू मीरपुर थे। इस अवसर पर आईजीयू से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों से एनईपी नोडल अधिकारी एवं अन्य शिक्षाविद उपस्थित थे। सभी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए एनईपी लागू करने में सामने आने वाली चुनौतियां, समस्याएं, अनुभव व सुझाव साझा किए। प्रोफेसर तेज सिंह ने एनईपी की जानकारी देते हुए सभी से सुझाव मांगे व उनकी समस्याओं का समाधान करने का पूरा प्रयास किया। प्राचार्य डा. देलबीर सिंह यादव ने कहा कि एनईपी को उसके मूल उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए लागू किया जाना चाहिए। सभी महाविद्यालयों का प्रयास रहना चाहिए कि वे छात्रों के हित को सर्वोपरि रखते हुए नियंत्रण को पूरा प्रयास किया। कार्यशाला का विवरण दिया और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन डा. सुनीता यादव ने किया। कार्यशाला में मिथिलेश यादव, डा. सुनीता यादव, डा. पीकी शर्मा, डा. परवीन कुमारी, डा. रीना, रेणु व कति शर्मा सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे। 6 रेवाड़ी 5 का फोटो कैप्शन:

प्रारंभ में भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीपार्चन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जैन दशलक्षण पर्व पर समापन पर जैन पब्लिक स्कूल, अंकुर व प्रोडिजी स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनेक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने गीत, नृत्य व नाटक से दर्शकों को भाव विभोर किया। प्रत्येक पर्व को समर्पित गीतों पर आधारित नृत्य जहां लोगों को थिरकने पर मजबूर करते रहे, वहीं जीवन की सच्चाई को प्रस्तुत करने वाले नाटक ने दर्शकों को चिंतन करने व जिन ग्रंथ के सूत्रों से शिक्षा लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन जैन अतिशय क्षेत्र नसिया जी स्थित अकलंक शरणालय सभागार में किया गया। इस अवसर पर जैन समाज के कोषाध्यक्ष अजय जैन, भगवान महावीर विद्यापीठ के प्रधान मोहित जैन, उपप्रधान सीमा जैन, सचिव अमित जैन, प्रबंधक प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, शासकीय निकाय सदस्य विजय जैन, रविंद्र जैन, प्रद्युम्न जैन व निपुण जैन, जैन

जीवन जीने के ढंग, जिन आगम ग्रंथ के संग नाटक किया मंचन

दशलक्षण पर्व के समापन पर जेपीएस के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां, बटोरी तालियां



रेवाड़ी। दशलक्षण पर्व के समापन पर डॉस की प्रस्तुति देते बच्चे व दशलक्षण पर्व के समापन पर डॉस की प्रस्तुति देते बच्चे।

एजुकेशन बोर्ड के प्रधान मोहित जैन व भगवान महावीर विद्यापीठ के पूर्व प्रधान प्रदीप जैन ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीपार्चन किया। प्रोडिजी स्कूल के बच्चों ने मंगलाचरण-महावीर तेरे ही नाम से हम पहचाने जाते हैं गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। अंकुर स्कूल के नन्हें बच्चों ने भगवान महावीर के जीवन पर आधारित

संगीत नाटिका प्रस्तुत कर सभी का मन मोहा। जैन पब्लिक स्कूल की बालिकाओं ने शास्त्रीय शैली के नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे नाटक 'जीवन जीने के ढंग, जिन आगम ग्रंथ' के संग ने सभी को भाव विभोर किया। नाटक में दिखावे की प्रवृत्ति, सुख-सुविधाओं के झूठे अंधकार, ममत्व के कारण अपने से बिछड़ने



अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन हैं, साथ ही रोमांचक और साहसिक गतिविधियों में भी आपकी रुचि है, तो वाइल्डरनेस टूर यानी रोमांचक-साहसी पर्यटन, आपके लिए परफेक्ट ट्रेवल-चॉइस हो सकती है। हाल के वर्षों में इसका ट्रेंड काफी बढ़ रहा है। इस ट्रेंड और इसके फायदों पर एक नजर।

एंज्वॉयमेंट-थेरेपी का कॉम्बो एडवेंचर ट्रेवलिंग का बढ़ता क्रेज

ट्रेवल ट्रेंड / अंशु सिंह

पर्यटकों की बदलती पसंद को देखते हुए ट्रेवल इंडस्ट्री में नित नए बदलाव होते रहते हैं। अब लोग सिर्फ घूमने-फिरने के लिए यात्रा नहीं कर रहे, बल्कि उन यात्राओं पर जाना पसंद कर रहे हैं जिसमें रोमांच के साथ थोड़ी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ता है। यही वजह है कि इन दिनों ट्रेवल थेरेपी के तौर पर वाइल्डरनेस टूर को लोग प्राथमिकता दे रहे हैं। ट्रेवल कंपनियों भी ऐसे ट्रेवलर्स की जरूरतों का ध्यान रखते हुए साहसिक टूर पैकेज डिजाइन कर रही हैं।

ट्रेवलिंग का नया तरीका: जरूरी नहीं कि हर किसी को पहाड़ों पर चढ़ना, बर्फ पर स्केटिंग करना या मानसून के दौरान घने जंगलों में ट्रेकिंग करना पसंद हो। लेकिन इन दिनों ऐसी साहसिक यात्राओं को लेकर लोगों की खास दिलचस्पी देखी जा रही है। टूर एंड ट्रेवल से जुड़ी कई कंपनियां भी इस तरह के वाइल्डरनेस टूर (साहसिक यात्रा) पैकेज उपलब्ध करा रही हैं। वाइल्डरनेस टूर के दौरान टूरिस्ट को कुछ दिन या हफ्ते भर के लिए उजाड़ और बंजर इलाके में अकेले छोड़ दिया जाता है। वहां से वे खुद ही रास्ता ढूँढते हैं और बाहर निकलते हैं। टूरिस्ट वाइल्डरनेस टूर के लिए अपनी पसंद से देश या स्थान का चयन करते हैं, जैसे- कोई जंगल, रेगिस्तान, पहाड़ या ध्रुवीय इलाका आदि। पूरी दुनिया में इन दिनों ऐसी यात्राएं हो रही हैं। इनमें मंगोलिया, पेरू और आर्कटिक महासागर में नौवें का द्वीप समूह स्वालबार्ड जैसे एडवेंचर डेस्टिनेशन शामिल हैं।



कई डेस्टिनेशंस हैं मौजूद: हालांकि प्रतिकूल मौसम और दुर्गम स्थान संबंधी कारणों से आम पर्यटक इनसे बचते हैं। फिर भी एडवेंचर के शौकीन लोग इस तरह की साहसिक यात्राओं का लुफ्त जरूर उठाते हैं। अपने देश में वाइल्डरनेस टूर के इच्छुक पर्यटकों के लिए अनेक ट्रेवल डेस्टिनेशंस मौजूद हैं। वे हिमालय की तलहटी में बसे दार्जिलिंग की पहाड़ियों में ट्रेकिंग ट्रिप और रॉक क्लाइंबिंग कर सकते हैं। हिमाचल की पहाड़ियों में माउंटेनियरिंग पर जा सकते हैं या फिर राजस्थान के दूर तक फैले रेगिस्तान में ऊंट की सवारी की यात्रा को रोमांचकारी बना सकते हैं। इसके अलावा, वन्यजीव यानी वाइल्डलाइफ को देखना भी भारतीय साहसिक पर्यटन का प्रमुख हिस्सा है। देश के राष्ट्रीय उद्यानों में सफारी और जीप टूर की सुविधा भी प्रदान की जाती है। वाइल्डरनेस टूर एंड ट्रेवल पैकेज में स्कीइंग, पैरालाइडिंग, कैंपिंग और स्कूबा डाइविंग जैसी गतिविधियां भी शामिल होती हैं।



कंपनियां ग्राहकों की पसंद के अनुसार, वाइल्डरनेस टूर पैकेज डिजाइन करती हैं। जैसा डेस्टिनेशन होगा, उसी अनुसार यात्रा का खर्च आएगा। विदेश की यात्रा करने पर ये खर्च लाखों में हो सकता है। जैसे, एक मशहूर ट्रेवल कंपनी ने 'गेट लॉस्ट' नाम से एक पैकेज डिजाइन किया है। इसके तहत यात्री खुद को खोजने में खो जाते हैं। दरअसल, उन्हें किसी अनजान इलाके में छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें खुद ही बाहर निकलना होता है। कुछ वेसे ही जैसे 'मैन वर्सेज वाइल्ड' टीवी शो में बेयर ग्रिल्स किया करते हैं। हां, वाइल्डरनेस टूर के दौरान कंपनियां जीपीएस और सैटेलाइट ट्रैकर से अपने यात्रियों पर नजर रखती हैं, ताकि किसी परेशानी में उनकी मदद कर सकें। *

वाइल्डरनेस टूर के फायदे

वाइल्डरनेस ट्रेवलिंग को आज एक हीलिंग थेरेपी की तरह देखा जा रहा है। इसमें यात्री जब अकेले कठिन रास्तों से गुजरते हुए अपनी मंजिल तक पहुंचते हैं, तो उनका आत्मविश्वास कई गुणा बढ़ जाता है। इससे वे जिंदगी में आने वाली चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करना सीख लेते हैं। इसमें न केवल रोमांच होता है, बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। तनाव कम होने से नई ऊर्जा का अनुभव करते हैं। प्रकृति के साथ रहने से उससे रिश्ता गहरा होता है। इसमें दुनिया घूमने का मौका मिलता है। नई जगहों और संस्कृतियों को जानने से किशोरिता भी बढ़ती है।

बैंकिंग फ्रॉड से संबंधित घटनाएं आए दिन देखने-सुनने को मिलती रहती हैं। ऐसे में जरूरी है कि बैंक से संबंधित तमाम गतिविधियों के दौरान विशेष सावधानी बरती जाए। इसके लिए बैंक, एटीएम, यूपीआई और नेट बैंकिंग से संबंधित नियम जानना जरूरी है।

जरूर जानें एटीएम-यूपीआई नेट बैंकिंग से जुड़े रूल्स



किसी के साथ शेयर न करें। अगर कभी बैंक कर्मचारी भी इसकी मांग करता है, तो आपको उसे यह नहीं देना चाहिए, क्योंकि आरबीआई के नियम के तहत कोई बैंक कर्मचारी अपने बैंक के ग्राहकों से यूपीआई पिन नहीं मांग सकता। अगर आपको रिक्वेस्ट मनी या कलेक्ट रिक्वेस्ट जैसी कोई सूचना मिलती है तो उसे ध्यान से चेक करें, गलती से अप्रूव करने पर आपके एकाउंट से पैसा कट सकता है और बैंक इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा। पर हां, अगर आपने कोई यूपीआई ट्रांजेक्शन किया है और ट्रांजेक्शन फेल हो गया है, लेकिन आपका पैसा कट चुका है तो तुरंत शिकायत करें। सामान्यतया तीन दिनों में अपने आप ही कटा हुआ पैसा वापस आ जाएगा।

अवेयरनेस प्रकाशक कथप

इन दिनों बढ़ती आर्थिक धोखाधड़ी और बैंकिंग फ्रॉड के मद्देनजर प्रत्येक उपभोक्ता को एटीएम, यूपीआई, नेट बैंकिंग और बैंकिंग से संबंधित अन्य नियम जानने जरूरी हैं। ये नियम भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों की ग्राहक सुरक्षा नीति के तहत आते हैं। इन बैंकिंग नियमों की जानकारी के अभाव में आप इकोनॉमिक फ्रॉड के शिकार बन सकते हैं।

जानें आरबीआई के नियम: इस नियम के तहत किसी भी सरकारी या श्रेयलूड प्राइवेट बैंक में अगर आपके किसी खाते से कोई धोखाधड़ी हो जाती है तो आपका नुकसान पूरी तरह से बच सकता है बशर्ते इस धोखाधड़ी के तीन दिन के भीतर आप अपने बैंक को इस धोखाधड़ी की लिखित सूचना दें। अगर आप बैंक को अपने साथ हुई धोखाधड़ी की सूचना तीन दिन के भीतर न देकर चार से सात दिनों के भीतर देते हैं तो आपके सेविंग अकाउंट में 5000 से 25 हजार तक



एटीएम का इस्तेमाल: यदि एटीएम से पैसा निकलते समय पैसा न निकले और बैलेंस कट जाए तो तुरंत संबंधित बैंक से इसकी शिकायत करें। पांच कामकाजी दिनों के भीतर आपका पैसा वापस आ जाएगा। जहां तक एटीएम ट्रांजेक्शन लिमिट का सवाल है तो मेट्रो शहरों में हर बैंक ग्राहक को तीन ट्रांजेक्शन प्रतिमाह मुफ्त है। अगर आप किसी गैर मेट्रो शहर में रहते हैं तो आपको

धर्म-कर्म गुरुदत्त शर्मा

पितृ-पक्ष में हम पूर्वजों को याद करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। इन दिनों हमें अपने मन को शांति एवं पवित्र रखकर पितरों के लिए बताए गए अनुष्ठान करने चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो पितृ प्रसन्न होकर हमें सुख, शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

पवित्र अवसर है पितृ-पक्ष: पितृ-पक्ष पूर्वजों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट करने का एक विशेष, पवित्र अवसर है। पितृपक्ष काल में परिजन न केवल पूर्वजों को याद करते हैं, बल्कि उनकी आत्मा की शांति एवं मुक्ति के लिए विभिन्न अनुष्ठान भी करते-कराते हैं। श्राद्ध-पक्ष में पितरों के प्रति श्रद्धा भाव से किए जाने वाले अनुष्ठानिक कार्य कल्याणकारी माने गए हैं।

पौराणिक मान्यता: पुराणों में वर्णित श्राद्ध कर्म द्वारा लोग पितरों-पूर्वजों का स्मरण कर, उन्हें श्रद्धा अर्पित करते हैं। अपने जन्म एवं जीवन दाताओं को याद करते रहना, इसके लिए उनका आभार प्रकट करना, पुत्र-पौत्रादि का धर्म है। निश्चित रूप से ऐसा कर मन को शांति मिलती है। गरुड पुराण के अनुसार जब किसी व्यक्ति को मृत्यु हो जाती है, तो उसकी आत्मा तुरंत मोक्ष प्राप्त नहीं करती, बल्कि विभिन्न योनियों से होते हुए पितृलोक में पहुंचती है। यदि मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार तथा उसके बाद के कर्मकांड ठीक से नहीं किए जाएं या हो पाएं, तो मृत-आत्मा भटकती है एवं अतृप्त रहती है। ऐसे में पितरों का अतृप्त आत्मा अपने वंशजों से रुठ हो जाती है। पितरों के अतृप्त आत्मा की स्थिति में परिवार में विभिन्न प्रकार की विघ्न-बाधाएं आती हैं, जिसे पितृ दोष कहा जाता है।

गरुड पुराण, मार्कंडेय पुराण एवं विष्णु पुराण जैसे ग्रंथों में श्राद्ध के महत्व को विस्तार से बताया गया है। इन ग्रंथों के अनुसार, पितृ-पक्ष के दौरान पितृ-गण पृथ्वी-लोक पर आते हैं तथा अपने वंशजों द्वारा

मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए

टूट इच्छा शक्ति, मेहनत और लगन के बल पर जीवन में कुछ भी हासिल किया जा सकता है। जीवन में सफलता पाने के कुछ गोल्डन रूल्स हैं, जिन्हें फॉलो करके मुश्किल से मुश्किल लक्ष्य को साधा जा सकता है।

सेल्फ मोटिवेशन / शिखर चंद जैन

महान संत स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को हमेशा निडर, कर्मठ और सकारात्मक सोच रखने की प्रेरणा दी। स्वामी जी कहा करते थे, 'जो भी करो पूरी लगन और एकाग्रता से करो। खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।' युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए दुनिया भर के विद्वानों और मोटिवेशनल स्पीकर्स ने समय-समय पर बड़ी कारगर, महत्वपूर्ण और उपयोगी बातें कही हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

जरूरी है सेल्फ कॉन्फिडेंस: अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं तो खुद को दायरे में बांधना बंद करें और पूर्वाग्रह से मुक्त रहने की कोशिश करें। ऐसा कभी ना सोचें कि जो कभी आपके किसी मित्र या परिवार के किसी सदस्य ने नहीं किया वह आप भी नहीं कर सकेंगे। आपको अपनी क्षमताओं और कमियों को पहचानना होगा और खुद को इस योग्य बनाना होगा कि आप जो चाहे कर सकें।



समय को बढ़ाकर ही हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकेंगे। उन्होंने लिखा है, 'हाइपर फोकसिंग से ही हम अपना सबसे बेहतरीन संस्करण बन सकते हैं।' **समस्याओं को धैर्यपूर्वक हल करें:** किसी समस्या के सामने आते ही अगर आप घबरा जाते हैं या हड़बड़ा जाते हैं तो जल्दबाजी में न सही उपाय सोच पाते हैं, न ही उसका हल निकाल पाते हैं। यहाँ तक कि आप अपने सच्चे और विश्वसनीय मददगार का नाम भी याद नहीं कर पाते। इस स्थिति में समस्या के एक ही हिस्से पर आपका नियंत्रण होता है और वह है आपकी प्रतिक्रिया। समस्याएं हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ गुणों को बाहर निकालती हैं, क्योंकि मुसीबत में ही हम अपनी क्षमताओं के बारे में ठीक से सोच पाते हैं। पुस्तक 'थिंकिंग फास्ट एंड स्लो' के लेखक डेनियल कानमैन कहते हैं, 'जब आप चिंतित होने की बजाय किसी समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करने की कोशिश करेंगे तो ज्यादा प्रभावशाली



न समझें खुद को कमजोर: डर हमें जीवन में कुछ नया नहीं करने देता। नई स्किल सीखने, चुनौतियां स्वीकार करने, नया प्रोफेशन या बिजनेस करने में असफल होने का जोखिम होता है। लेकिन इस जोखिम या असफलता के डर से कोशिश नहीं करना बिल्कुल भी सही नहीं है। जो खुद को कमजोर समझते हैं या डरते रहते हैं, वे जीवन में कुछ भी नया या बड़ा हासिल नहीं कर पाते हैं।

पुस्तक 'करेज एंड कॉन्फिडेंस एन एंथोलॉजी' के लेखक नॉर्मन विसेंट पील ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'डर लोगों को शारीरिक रूप से कमजोर बना देता है। किसी न किसी रूप में डर लोगों को वह हासिल करने से रोक देता है, जो वे जीवन में वाकई हासिल करना चाहते हैं।'

एकाग्र होकर काम करें: एक समय में एक काम करें और ऐसा करते समय अपनी पूरी ऊर्जा और ताकत उसमें डाल दें और बाकी सब कुछ भूल जाएं। आज के डिजिटल युग में विभिन्न माध्यमों से सूचनाओं और जानकारीयों की बाढ़ ने हमारे मस्तिष्क को एकाग्रता को छीन लिया है। चाहे पढ़ाई-लिखाई करनी हो या वर्क प्लेस पर अपना हिसाब-किताब लिखना हो, अपने ग्राहक से डील करनी हो या फिर कोई प्रोडक्ट बनाना हो। आप कोई भी काम तभी ठीक से कर सकते हैं, जब आप उसे पूरी तरह एकाग्रचित होकर करें। पुस्तक 'हाइपर फोकस' के लेखक क्रिस बेली लिखते हैं, 'अगर आपको अपने चंचल चित्त को स्थिर करना है तो सबसे पहले फालतू चीजों पर अनफोकस करें।' वे कहते हैं कि आज हम बिना ध्यान बंटए कंप्यूटर पर सिर्फ 40 सेकेंड ही लगातार काम कर पाते हैं। इस

बनेंगे। परिणामस्वरूप आप खुद को पहले से ज्यादा बड़ी समस्याएं हल करने के लायक बना लेंगे।' **अनुशासन का पालन करें:** स्वतंत्रता और मनचाहा करने की छूट लेना हमारे स्वभाव में होता है। लेकिन यह विवेकपूर्ण, संयमित और अनुशासन युक्त होनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप सीमा में रहकर अपनी क्षमता से जीवन को उत्कृष्ट बनाएं या उसकी उपेक्षा करके अपने लिए दुख आमंत्रित करें। स्वच्छता वास्तव में स्वतंत्रता नहीं है। इसका परिणाम अन्ततः विनाश ही है। इस संदर्भ में बेस्ट सेलर पुस्तक 'द नाउ हैबिट' के लेखक नील फियोरे ने कहा है, 'दिमाग वही करता चाहता है जो उसे पसंद है। लेकिन जो व्यक्ति जीवन में अपने दिमाग की पसंद और सुविधा से चलता है वह कभी कुछ हासिल नहीं कर पाता।' इसलिए जरूरी कामों को टालने की बजाय प्राथमिकता से करना जरूरी है। *

आज से पितृ पक्ष आरंभ हो रहे हैं। पुराणों में इस दौरान अपने पूर्वजों को श्राद्ध एवं तर्पण के द्वारा तृप्त करने का विधान दिया गया है। इससे न केवल जीवन में शांति-समृद्धि आती है, पुरखों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

पुरखों से पाएं सुख-शांति समृद्धि का आशीर्वाद



किए गए तर्पण एवं श्राद्ध को स्वीकार करते हैं। जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा से श्राद्ध करता है, उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे

विवरण शास्त्रों में मिलता है। **तर्पण:** प्रतिदिन सुबह स्नान के बाद दक्षिण दिशा की ओर मुख कर जल में काला तिल, जी एवं कुश मिलाकर तर्पण करना चाहिए। यह पितरों को जल अर्पित करने का एक उपाय है, जिससे उनकी प्यास बुझती है।

श्राद्ध की विधि: पितरों की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म करना चाहिए। श्राद्ध के दिन किसी योग्य ब्राह्मण को आमंत्रित कर भोजन कराएं। भोजन में खीर, पूड़ी तथा पितरों की पसंद के सात्विक भोज्य पदार्थ शामिल करें।

पिंडदान: आटा, जौ, चावल एवं

निकटतम किसी भी पवित्र धार्मिक-स्थल, नदी, तालाब, कुंड, सागर कहीं भी किया जा सकता है। **दान-पुण्य:** श्राद्ध-पक्ष में दान का मिलाकर तर्पण करना चाहिए। दान करने से न केवल पितृ प्रसन्न होते हैं, बल्कि जीवन की परेशानियां भी दूर होती हैं। पितृ-पक्ष में दान के योग्य मानी जाने वाली निम्न वस्तुएं उचित मानी जाती हैं। इसमें आप अन्न, फल, चांदी का दान कर सकते हैं। श्राद्ध कर्म के दौरान भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे, कुत्ते एवं चिंटियों को भी खिलाना चाहिए। **ये भी है जरूरी:** पितृ-पक्ष के 15 दिनों तक सात्विक जीवन का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पितृ-पक्ष के प्रह्र दिन परिवार में लहसुन, प्याज एवं मांसाहार का सेवन पूरी तरह से वर्जित होता है। इन दिनों ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए तथा अपने घर एवं मन दोनों को पवित्र रखें। प्रतिदिन शाम के समय घर की दक्षिण दिशा में सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। पीपल के पेड़ में दूध, काला तिल एवं जल चढ़ाएं। पीपल के तेल को पितरों का वास माना जाता है। पितृ स्त्रोत का पाठ करना भी पुण्यकारी होता है। *



उसके जीवन में सुख, समृद्धि, आयु, यश, धन आदि की प्राप्ति होती है। मार्कंडेय पुराण में कहा गया है कि 'श्राद्ध से तृप्त होकर पितृ-गण श्राद्धकर्ता को दीर्घायु, संतति, धन, विद्या, सुख, राज्य, स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करते हैं।' महर्षि सुमुंतु के अनुसार, 'इस संसार में पितरों से बढ़कर कोई दूसरा कल्याणप्रद कर्म नहीं है।'

ऐसे होते हैं **पितृ प्रसन्न:** पितरों को प्रसन्न रखने एवं उनका आशीर्वाद पाने के लिए पितृ-पक्ष में नियमानुसार कुछ विशेष कार्य तथा अनुष्ठान किए जाते हैं, जिनका